International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 11, November 2021,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-
Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि व शैक्षिक चिन्ता का अध्ययन

श्रीमती नजमा चौधरी
सहायक व्याख्याता
राव मोहर सिंह कॉलेज ऑफ एजूकेशन, गुडगाँव

चिन्ता वस्तुतः भय के कारण उत्पन्न होती है। सामान्य जीवन में होने वाली किसी प्रकार की कठिन एवं उलझन पूर्ण परिस्थितियों, आदर्श एवं प्रतिष्ठा की रक्षा व्यक्ति के कल्याण तथा सुरक्षा में उत्पन्न बाधओं की आशंका इत्यादि के कारण व्यक्ति स्वाभाविक रूप से भयभीत और चिन्तित हो जाता है। आज जिस गति से मानव जीवन का आधुनिकीकरण हो रहा है तथा उसके समक्ष अनेक प्रकार की उलझने आ रही है, कोई भी व्यक्ति चिन्ता से मुक्त नहीं है। इस प्रकार आधुनिक युग में मनुष्यों का चिन्तित होना सामान्य और स्वाभाविक है। जैसे बच्चे की बीमारी, परीक्षा का भय आर्थिक कठिनाईयाँ आदि से प्रायः प्रत्येक व्यक्ति चिन्तित होता है।

> मेनन (1950) के अनुसार :– "भय के संकेत की अनुभूति की कोई मात्रा जो व्यक्ति अपने व्यक्तित्व के अस्तित्व के लिए आवश्यक समझता है, चिन्ता कहलाता है।"

शोध की आवश्यकता

आजकल शालेय मूल्यांकन में शैक्षिक उपब्धि को कुछ ज्यादा ही महत्व दिया जाता है। इसलिये अभिभावक एवं शिक्षक शैक्षिक उपब्धि बढ़ाने के लिये प्रयास करते है। इसका परिणाम यह होता है कि विद्यार्थी को शैक्षिक चिन्ता का सामना करना पड़ता है। इस शैक्षिक चिन्ता का असर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर क्या होता हैं ? शैक्षिक चिन्ता एवं शैक्षिक उपलब्धि में क्या सह–संबंध हैं ? उच्च शैक्षिक चिन्ता का शैक्षिक उपलब्धि पर क्या परिणाम होता हैं ? निम्न शैक्षिक चिन्ता वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि कम या ज्यादा रहती हैं ? इस प्रकार के प्रश्न मेरे मन में आ रहे थे इसलिए मैनें यह अध्ययन किया है।

उद्देश्य

- छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक चिन्ता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 11, November 2021,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-
Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at:
Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

शोध की परिकल्पनाएँ

- छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक चिन्ता में सार्थक अंतर नहीं है।
- छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।

शीर्षक में प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा

1. **शैक्षिक चिन्ता**

   शैक्षिक चिन्ता स्टेट चिन्ता का एक प्रकार है, शैक्षिक चिन्ता आनेवाले खतरे से जुड़ी होती है। जैसे शैक्षिक वातावरण, शाला एवं शालाओं से जुड़े अध्यापक तथा कुछ विषय गणित और अंग्रेजी इत्यादि।

2. **शैक्षिक उपलब्धि**

   शैक्षिक उपलब्धि का अर्थ यह है कि छात्र ने किस अंश तक विद्यालय द्वारा निश्चित किये गये उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है, उनकी जानकारी लेना है, वह जानकारी आँकड़ों, मात्रा एवं श्रेणी में व्यक्त की जाती है।

पाटीदार और दुबे (2010) ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर शिक्षण ब्यूह रचना ए वं आत्मविश्वास के प्रभाव का अध्ययन किया। न्यादर्श के लिए इंदौर शहर के कक्षा 9 के 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया। निष्कर्ष में पाया कि विद्यार्थी की उपलब्धि को बढ़ाने के लिए कन्वेंशनल मेथ्ड का सार्थक प्रभाव पाया गया।

श्रीवास्तव पी. के., सक्सेना सुमनलता (2004) ने भिन्न संस्थागत वातावरण के स्कूलों में भौतिक की उपलब्धि का अध्ययन किया जिसका उददेश्य संस्थागत वातावरण का भौतिक की उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना था। न्यादर्श के रूप में 1366 विद्यार्थियों को चुना गया। निष्कर्ष में पाया गया कि पारिवारिक व स्वच्छन्द विद्यालयी वातावरण के विद्यार्थियों की भोतिक उपलब्धि में अन्तर नहीं होता है। साथ ही पारम्परिक व नियमवद्ध स्कूली वातावरण में भौतिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता द्वारा न्यादर्श का चयन यादृच्छिक विधि से किया है। इसके लिये मध्यप्रदेश के भोपाल जिले के ग्रामीण एवं शहरी विद्यालय के 106

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 11, November 2021,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-
Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at:
Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

विद्यार्थियों न्यादर्श के रूप में लिया गया है। जिसमें 54 ग्रामीण तथा 52 शहरी क्षेत्र के विद्यार्थी हैं।

चर स्वतंत्र चर – शैक्षिक चिन्ता, लिंग,

आश्रित चर – शैक्षिक उपलब्धि

उपकरण

शैक्षिक चिन्ता मापनी

विद्यार्थियों की शैक्षिक चिन्ता के लिए डॉ.ए.के.सिन्हा एवं डॉ.ए.सेन गुप्ता की शैक्षिक चिन्ता मापनी का प्रयोग किया गया जो 13 से 16 वर्ष तक के बच्चों के लिए हैं। इसमें कुल 20 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के दो विकल्प है। जिसमें एक हाँ एवं दूसरा नहीं। हाँ के लिए 1 अंक एवं नहीं कि लिए 0 अंक निर्धारित किया गया है।

शैक्षिक उपलब्धि शैक्षिक उपलब्धि के लिए कक्षा नवीं के बोर्ड परीक्षा के प्रतिशत अंकों को लिया गया है।

परिकल्पना क्र. 1 छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक चिन्ता में सार्थक अंतर नहीं है।

तलिका 4.1

छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक चिन्ता

ग्रुप	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मुक्तांश	"टी" मूल्य
छात्र	52	11.79	2.40	104	1.06
छात्राऐं	54	11.30	2.41		

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.1 को देखने से स्पष्ट होता है कि चयनित विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक चिन्ता का मध्यमान 11.79 है व मानक विचलन 2.40 है।

चयनित विद्यालयों के छात्राओं की शैक्षिक चिन्ता का मध्यमान 11.30 है व मानक विचलन 2.41 है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 11, November 2021,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-
Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at:
Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मुक्तांश (df) 104 पर 0.05 सार्थकता स्तर पर 'टी' का मान = 1.98 है।

प्रस्तुत तालिका में 'टी' का मूल्य 1.06 है। यह मूल्य 0.05 स्तर के 'टी' मूल्य से कम है। इसलिये 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट है कि, छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक चिन्ता में अंतर नही है। अतः उपरोक्त परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

निष्कर्ष

अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक चिन्ता में सार्थक अंतर नहीं है।अतः यह कह सकते हैं कि विद्यालय, शिक्षक तथा कर्मचारियों के साथ अंतर क्रिया करते समय छात्र एवं छात्राऐं एक जैसा ही व्यवहार करते हैं। यदि विद्यालय में कोई शैक्षिक चिन्ता की परिस्थिति निर्माण होती है तो छात्र एवं छात्राऐं उस परिस्थिति का एक जैसा ही सामना करते हैं।

परिकल्पना क्र.2

छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 4.2

छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि

लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मुक्तांश	"टी" मूल्य
छात्र	52	58.60	10.36	104	0.153
छात्राऐं	54	58.89	9.32		

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.2 को देखने से स्पष्ट होता है कि चयनित विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 58.60 है व मानक विचलन 10.36 है।

चयनित विद्यालयों के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 58.89 है व मानक विचलन 9.32 है।

मुक्तांश 104 पर 0.05 सार्थकता स्तर पर 'टी' का मान = 1.98 है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 11, November 2021,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-
Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रस्तुत तालिका में 'टी' का मूल्य 0.153 है। यह मूल्य 0.05 स्तर के 'टी'मूल्य से कम है। इसलिये 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। इससे स्पष्ट है कि छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर नहीं है। अतः उपरोक्त परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

निष्कर्ष – अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।

अतः यह कह सकते हैं कि छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक सुविधा एक जैसी ही दी जाती होगी। शालाओं में पाठ्यक्रम एक जैसा ही है और उनको एक ही शैक्षिक वातावरण में पढ़ाया जाता है। इसी कारण उनकी शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध निष्कर्ष

प्रस्तुत शोधकार्य से निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए –

1. विद्यार्थियों की शैक्षिक चिन्ता एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सहसंबंध है।
2. छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक चिन्ता में सार्थक अंतर नहीं है।
3. छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- सिंह, लाभ तथा तिवारी गोविंद (2001), **असामान्य मनोविज्ञान,** आगराः विनोद पुस्तक मंदिर।
- सिन्हा एवं मिश्रा (2002), **असामान्य मनोविज्ञान,** पटनाः भारती भवन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रब्यूटर्स।
- श्रीवास्तव, डी.एन. तथा वर्मा, प्रीती (1996), **आधुनिक प्रयोगात्मक मनोविज्ञान,** आगराः विनोद पुस्तक मंदिर।
- कौल, लोकेश (2001), **शैक्षिक अनुसंधान की कार्यप्रणाली,** नई दिल्लीः विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा.लि.।
- राय, पारसनाथ (2003), **अनुसंधान परिचय,** आगराः विनोद पुस्तक मंदिर।